सलाहकार-क्षेत्रीय समन्वयक

रिक्तियों की संख्या-3

बीआरएलएफ के बारे में

भारत रूरल लाइवलीहुड्स फाउंडेशन (बीआरएलएफ) एक स्वायत्त संस्था है, जो भारत सरकार द्वारा समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अधीन पंजीकृत की गई है। बीआरएलएफ को केंद्रीय मंत्रीमंडल के निर्णय के माध्यम से 03 सितम्बर, 2013 को संस्थापित किया गया था, जिसमें मंत्रीमंडल ने सरकार के साथ भागीदारी में नागरिक समाज कार्य की उन्नति हेतु एक स्वतंत्र संस्था के रूप में स्थापित करने का विचार रखा था।

बीआरएलएफ का गठन भारत-भर के लोगों की आजीविका और जीवन के रूपांतरण हेतु सरकार के साथ भागीदारी में नागरिक समाज कार्य को प्रोत्साहित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया है। ग्रामीण निर्धन जीवन को रूपांतरित करने हेतु, बीआरएलएफ प्राकृतिक संसाधनों के उत्थान, सिंचाई हेतु जल की वृद्धि और कृषि करने, आजीविका के प्रोत्साहन, पशुपालन तथा ऑफ-फार्म आजीविका सहित, तथा महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों के वित्तीय समावेश करने पर केंद्रित है। बीआरएलएफ निर्धनों पर लक्षित अग्रणी सभी हस्तक्षेपों से महिलाओं द्वारा नेतृत्व वाले सशक्त जमीनी स्तर पर संस्थानों पर बल देता है। बीआरएलएफ ने नागरिक सामाजिक संगठनों के साथ अपनी रणनीतिक नियुक्ति के माध्यम से प्रमुख परिणाम और उत्पादन प्राप्त किए हैं। बीआरएलएफ सरकार और निगमों द्वारा बनाए गए कार्यक्रम प्रारूप के मध्य अंतराल को कम करने से पृष्ठभूमि पर समुदायों के साथ कार्यरत जमीनी स्तर पर नागरिक सामाजिक संगठनों के साथ सक्रियता से कार्य करता है, कार्यक्रम के दौरान जमीनी स्तर पर सरकार के लोकतांत्रिक संस्थानों के मजबूतीकरण द्वारा पृष्ठभूमि पर परिणाम प्राप्त किए गए हैं, कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की गुणवत्ता के सुधार, सफल हस्तक्षेप मॉडलों का विकास किया जाता है जिससे कि निर्धनों, विशेष रूप से मध्य भारत में जनजातीय परिवारों को निर्धनता और अभाव से बाहर निकाला जा सके।

कृपया हमारी वेबसाईट: https://www.brlf.in पर पधारें।

परियोजना के बारे में - उच्च प्रभाव वाली मेगा-जलोत्सारण परियोजना झारखण्ड

28 अगस्त, 2020 को, बीआरएलएफ ने उच्च प्रभाव वाली मेगा जलोत्सारण परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आयुक्त मनरेगा सेल, झारखंड सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रस्तावित परियोजना 7 जिलों के सर्वाधिक पिछड़े 24 प्रखंडों में क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य 190,000 सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिए पर परिवारों के जीवन और आजीविका में सुधार करना है। परियोजना की अवधि चार वर्ष है और कार्यक्षेत्र कार्यान्वयन 1 जनवरी 2021 को शुरू किया गया था। परियोजना राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई के मार्गदर्शन और समर्थन के तहत 12 सीएसओ भागीदारों द्वारा कार्यान्वित की जाती है। इस परियोजना का उद्देश्य 190,000 सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिए पर परिवारों के जीवन और आजीविका में सुधार करना है।

बीआरएलएफ राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई में रिक्तियों को भरने के लिए उपयुक्त और अनुभवी पेशेवर की खोज कर रहा है। राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई राज्य की राजधानी में स्थापित है और उनकी संबंधित अवस्थिति में इस परियोजना के क्रियान्वयन करने वाले सीएसओ भागीदारों को रणनीतिक सुविधा सहायता प्रदान कर रहा है। बीआरएलएफ और आयुक्त मनरेगा के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में एसपीएमयू कार्य करता है।

2. सलाहकार-क्षेत्रीय समन्वयक

रिक्तियों की संख्या-3

मासिक पारिश्रमिक- रु.47840/-

रिपोर्टिंग अधिकारीः टीम लीडर

जॉब का संक्षिप्त विवरण

- अपने संबंधित क्षेत्र में सभी परियोजना गतिविधियों के सुचारु कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी होना।
- डीपीआर गतिविधियों के कार्यान्वयन और डीपीआर की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सीएसओ प्रखण्डों में नियमित तौर पर कार्यक्षेत्र का दौरा करना।
- सीएसओ परियोजना टीम को कार्यस्थल पर सहयोग और दैनिक कार्यों में मार्गदर्शन करना।
- बीआरएलएफ-एमआईएस पोर्टल पर कार्य-क्षेत्र के आंकड़ों का अद्यतन और समय पर प्रविष्टि हेतु उत्तरदायी होना।
- परियोजना के महत्वपूर्ण लक्ष्यों की योजना, क्रियान्वयन और निगरानी में सीएसओ एवं प्रखण्ड और जिला स्तर के अधिकारियों के मध्य अच्छे समन्वयन की सुविधा प्रदान करना।
- डीपीआर के निष्पादन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु प्रखण्ड एवं जिला बैठकों को आयोजित करने की सुविधा प्रदान करना और कार्यक्षेत्र में सीएसओ को पर्याप्त सहयोग प्रदान करना।
- जिला और प्रखण्ड स्तरीय हितधारक-सरकारी एजेंसियों/पीआरआई और ग्रामीण समुदायों के साथ अच्छे कार्य-संबंध स्थापित करना।
- प्रणाली एवं प्रक्रियाओं की समय पर प्रगति रिपोर्टिंग के साथ अनुपालना सुनिश्चित करना।
- क्षेत्रीय और राज्य गतिविधियां आयोजित करने में सहयोग प्रदान करना तथा सभी हितधारकों के साथ एवं नियमित संचार करना।

उम्मीदवार की वांछित/आवश्यक योग्यता:

- कंप्यूटर कौशल के साथ अंग्रेजी और हिंदी में अच्छे संचार कौशल के साथ प्रतिष्ठित संस्थानों से इंजीनियरिंग सिविल/कृषि अथवा संबद्ध क्षेत्रों में स्नातक अथवा सामाजिक विज्ञान/मानविकी में स्नातकोत्तर।
- सीएसओ के कर्मचारियों, किसानों और सामुदायिक समूहों के साथ जुड़ने की क्षमता के साथ संबंधित क्षेत्र में अधिमानतः 5-10 वर्ष का अनुभव हो,

- उम्मीदवार पृष्ठभूमि पर समन्वय और कार्यक्रम वितरण में सुधार के लिए जिला और प्रखण्ड एजेंसियों के साथ सहयोग करने में सक्षम होना चाहिए।
- आयु सीमा: 40 वर्ष

नियुक्ति का स्थान:

- जिला मुख्यालय

आवेदन प्रक्रियाः

इन पदों के लिए इच्छुक पात्र उम्मीदवारों को 05, अप्रैल, 2022 को अथवा पूर्व https://recruitment.samshrm.com/JOBS/BRLF पर ऑनलाईन आवेदन करने का निवेदन किया जाता है।